



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 19 दिसम्बर, 2001/28 अग्रहायण, 1923

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-171 004, 19 दिसम्बर, 2001

संख्या 1-79/2001-वि०स०.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान संशोधन विधेयक,

2001 (2001 का विधेयक संख्यांक 19) जो आज दिनांक 19 दिसम्बर, 2001 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

अजय भण्डारी,
सचिव

2001 का विधेयक संख्यांक 19.

हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान संशोधन विधेयक, 2001

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1999 (1999 का 16) का और संशोधन करने के लिए विधेयक।

भारत गणराज्य के बावनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान संशोधन अधिनियम, 2001 है।

1999 का 16. 2. हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1999, (जिसे इसमें इसके पश्चात् "मूल अधिनियम" कहा गया है) की धारा 2 में खण्ड (घ) में, "छकड़ा, पशु और मानवीय अभिकरण द्वारा या किसी अन्य साधन" चिन्हों और शब्दों के स्थान पर "या छकड़ा" शब्द रखे जाएंगे। धारा 2 का संशोधन।

3. मूल अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) में, "छकड़ा, पशु और मानवीय अभिकरण द्वारा या किसी अन्य साधन" चिन्हों और शब्दों के स्थान पर "या छकड़ा" शब्द रखे जाएंगे। धारा 3 का संशोधन।

4. मूल अधिनियम की धारा 4 में, "छकड़ा या पशु" चिन्ह और शब्दों के स्थान पर "या छकड़ा" शब्द रखे जाएंगे। धारा 4 का संशोधन।

5. मूल अधिनियम की धारा 4 के पश्चात्, निम्नलिखित नई धारा 4-क जोड़ी जाएगी, अर्थात् :— धारा 4-क का अन्तः स्थापन।

"4-क. विक्रय या प्रेषण कारित करने या प्राधिकृत करने हेतु सड़क द्वारा माल का वहन करने वाले व्यक्ति द्वारा कर का संग्रहण.—(1) धारा 4 में किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी, माल के वहन का विक्रय या प्रेषण कारित करने या प्राधिकृत करने हेतु प्रत्येक व्यक्ति, विहित रीति में, यथास्थिति, यांत्रिक यान या छकड़ा जिसमें या जिस पर माल वहन किया जाना है, के प्रभारी व्यक्ति से या माल के प्रभारी व्यक्ति से, धारा 3 के अधीन संदेय कर की रकम का संग्रहण करेगा और ऐसा संग्रहण करने वाला व्यक्ति, विहित रीति में, उसको सरकारी कोष में संदत्त करेगा।

(2) ऐसा संग्रहण करने वाला व्यक्ति, यथास्थिति, यांत्रिक यान या छकड़ा जिसमें या जिस पर माल वहन किया गया है, के प्रभारी व्यक्ति या माल के प्रभारी व्यक्ति को, प्रमाण-पत्र जारी करेगा और प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, अधिनियम की धारा 4 के अधीन कोई कर संदेय नहीं होगा।

(3) यदि कोई व्यक्ति, उप-धाराओं (1) और (2) के किसी या सभी उपबन्धों का उल्लंघन करता है, तो कराधायक प्राधिकारी, सुनवाई का अवसर देने

के पश्चात्, लिखित में आदेश द्वारा, निदेश करेगा कि ऐसा व्यक्ति उप-धारा (1) के अधीन संदेय कर की रकम से दोगुना से अनधिक, शास्ति के तौर पर संहत करेगा।

(4) धारा 11 के उपबन्ध, संदेय कर की किसी रकम और/या अधिरोपित किसी शास्ति किन्तु जो इस धारा के अधीन जमा नहीं की गई हो, की वसूली के लिए यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।”

धारा 5 का
संशोधन।

6. मूल अधिनियम की धारा 5 में,—

(क) उप-धारा (2) में, “पशु” और “या पशु” चिन्ह और शब्द जहां कहीं ये आते हैं, का लोप किया जाएगा; और

(ख) उप-धारा (3), (4) और (5) में, शब्द “पशु”, चिन्ह और शब्द जहां कहीं यह आता है, का लोप किया जाएगा।

धारा 9 का
संशोधन।

7. मूल अधिनियम की धारा 9 में, उप-धारा (1) और (2) में, “, छकड़ा या पशु” चिन्ह और शब्द जहां कहीं ये आते हैं, के स्थान पर “या छकड़ा” शब्द रखे जाएंगे।

धाराओं 10
और 11 का
प्रतिस्थापन।

8. मूल अधिनियम की धाराओं 10 और 11 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“10. शास्तियां—(1) जो कोई भी इस अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों या तद्धीन बनाए गए नियमों या किसी ऐसे उपबन्ध या नियम के अधीन किए गए किसी आदेश अथवा दिए गए निदेश का उल्लंघन करता है या दुष्प्रेरण करता है या पालना करने में असफल रहता है, तो इस अधिनियम के अधीन कर के संदाय के अतिरिक्त, कर की रकम के दोगुना के बराबर या एक हजार रुपये, जो भी अधिक हो, की शास्ति, संहत करने का दायी होगा।

(2) कोई कराधायक प्राधिकारी, संबद्ध व्यक्ति को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, उप-धारा (1) में वर्णित शास्ति अधिरोपित कर सकेगा।

11. कर और शास्ति भू-राजस्व की वकाया के रूप में वसूलीय.—इस अधिनियम के अधीन अधिरोपित किसी कर और शास्ति की रकम, जो देय तारीख के पश्चात् असंदान रहती है, भू-राजस्व की वकाया के रूप में वसूलीय होगी।”

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, 1999 की धारा 3 के अधीन, पशु, मानवीय अभिकरण के साधनों या ऐसे किन्हीं अन्य साधनों द्वारा माल के वहन पर भी कर उद्गृहीत किया जाता है। सुव्यवस्थीकरण की और कदम बढ़ाने के रूप में, अधिनियम के अधीन कराधान के कार्यक्षेत्र से माल के ऐसे वहन, जिसे पशुओं, मानवीय अभिकरण या ऐसे किन्हीं अन्य साधनों द्वारा किया जाता है, से अपवर्जित करने और उद्ग्रहण को केवल यांत्रिक यानों या छकड़ों द्वारा माल के वहन तक निबन्धित करने का विनिश्चय किया गया है। अधिनियम की धारा 4 के अधीन, यांत्रिक यान, छकड़ा या पशु, जिसमें या जिस पर माल वहन किया जाता है, के प्रभारी प्रत्येक व्यक्ति या माल के प्रभारी व्यक्ति द्वारा, कर सरकारी खजाना या भारतीय स्टेट बैंक में या जिला जिसमें माल का वहन किया जाता है के कराधायक प्राधिकारी, को सौंपे होता है। कर के संग्रहण के ढंग को सुव्यवस्थित करने की दृष्टि से यह विनिश्चय भी किया गया है कि कम से कम उस माल के बारे में जो एकत्र और सुविधाजनक रूप से अभिज्ञेय बड़े स्रोत से आया हो, कर का संग्रहण, यांत्रिक यान या छकड़ा के प्रभारी व्यक्ति से या माल के प्रभारी व्यक्ति से, ऐसे प्रारंभकर्ता स्रोतों के प्रबंध तंत्र में किया जाना चाहिए जो ऐसे संगृहीत किए गए कर को सरकारी खजाना में जमा करेगा और उसके प्रमाण-स्वरूप आवश्यक रसीद जारी करेगा। इसके अतिरिक्त शास्ति प्रक्रिया का सरलीकरण करने और परादेय कर तथा शास्ति की भू-राजस्व की बकाया के रूप में वसूली की व्यवस्था करने का भी विनिश्चय किया गया है। अतः पूर्वोक्त अधिनियम में संशोधन किया जाना आवश्यक हो गया है।

2. यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

प्रवीण शर्मा,
प्रभारी मन्त्री।

शिमला :

..... 2001.

वित्तीय ज्ञापन

प्रस्तावित विधेयक, सड़क द्वारा माल के ऐसे वहन जो पशुओं, मानवीय अभिकरण या ऐसे किन्हीं अन्य साधनों द्वारा किया जाता है, को कर उद्ग्रहण के कार्यक्षेत्र से प्रपञ्चित करने के लिए है। इस अपवर्जन से राजकोष में थोड़ी हानि होगी जिसका परिमाण नहीं किया जा सकता।

— — —

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

विधेयक का खण्ड 5, सरकार को, विक्रय या प्रेषण कारित करने या प्राधिकृत करने हेतु, सड़क द्वारा माल का वहन करने वाले, व्यक्ति द्वारा कर का संग्रहण और सरकारी कोष में जमा करने के लिए नियम बनाने और उस व्यक्ति जिससे ऐसा संग्रहण किया गया है, को संग्रहण का प्रमाण-पत्र जारी करने की रीति की व्यवस्था करने के लिए सशक्त करता है। ये प्रत्यायोजन आवश्यक और सामान्य प्रकार के हैं।

— — —

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिशें

[नस्ति संख्या ई० एक्स० एन० एफ० (21) 4/2001 आबकारी और कराधान विभाग]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान संशोधन विधेयक, 2001 की विषयवस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन विधेयक को विधान सभा में पुरस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 19 of 2001.

THE HIMACHAL PRADESH TAXATION (ON CERTAIN GOODS CARRIED BY ROAD) AMENDMENT BILL, 2001

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

**A
BILL**

to amend the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1999 (Act No. 16 of 1999).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-second Year of Republic of India, as follows :—

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Amendment Act, 2001.

Short title.

2. In section 2 of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1999 (hereinafter referred to as the "principal Act"), in clause (d), for the signs and words "cart, animal and human agency or any other means", the words "or cart" shall be substituted.

Amend-
ment of
section 2.

3. In section 3 of the principal Act, in sub-section (1), for the signs and words "cart, animal and human agency or any other means", the words "or cart" shall be substituted.

Amend-
ment of
section 3.

4. In section 4 of the principal Act, for the signs and words "cart or animal", the words "or cart" shall be substituted.

Amend-
ment of
section 4.

5. After section 4 of the principal Act, the following new section 4-A shall be inserted, namely :—

Insertion
of
section 4-A.

"4-A. *Collection of tax by a person selling or causing or authorising or cause despatch or goods for carriage by road.—*(1) Notwithstanding anything to the contrary contained in section 4, every person selling or causing or authorising to cause despatch of goods for carriage by road shall, in the prescribed manner, collect the amount of tax payable under section 3 from the person incharge of the mechanical vehicle or cart in or on which the goods are to be carried or the person-in-charge of the goods, as the case may be, and the person making such collection shall, in the prescribed manner, make payment of the same into the Government Treasury.

(2) The person making such collection shall issue a certificate, in the prescribed manner, to the person-in-charge of the mechanical vehicle or cart in or on which the goods are carried or the person-in-charge

Act No. 16
of 1999.

of the goods, as the case may be, and, on the production of the certificate, no tax shall be payable under section 4 of the Act.

(3) If any person contravenes any or all of the provisions of sub-sections (1) and (2), the Taxing Authority shall, after giving an opportunity of being heard, by an order, in writing, direct that such person shall pay by way of penalty not exceeding twice the amount of tax payable under sub-section (1).

(4) The provisions of section 11 shall *mutatis mutandis* apply for recovery of any amount of tax payable and/or any penalty imposed but not deposited under this section."

Amend-
ment of
section 5.

6. In section 5 of the principal Act,—

(a) in sub-section (2), the sign and word "animal" and words "or animal" wherever occurring shall be omitted ; and

(b) in sub-sections (3), (4) and (5), the sign and word "animal" wherever occurring shall be omitted,

Amend-
ment of
section 9.

7. In section 9 of the principal Act, in sub-sections (1) and (2) for the sign and words "cart or animal" wherever occurring, the words "or cart" shall be substituted.

Substitu-
tion of sect-
ions 10 and
11.

8. For sections 10 and 11 of the principal Act, the following shall be substituted, namely :—

"10. *Penalties.*—(1) Whoever contravenes or abets or fails to comply with any of the provisions of this Act or any rules made thereunder, or any order or direction made under any such provision or rule, shall, in addition to the payment of tax under this Act, be liable to pay a penalty equal to double the amount of tax or a sum of rupees one thousand, whichever is higher.

(2) Any Taxing Authority may, after affording the person concerned a reasonable opportunity of being heard, impose the penalty mentioned in sub-section (1).

11. *Tax and penalty recoverable as arrears of land revenue.*—The amount of any tax and penalty imposed under this Act, which remains unpaid after the due date, shall be recoverable as arrears of land revenue."

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Under section 3 of the Himachal Pradesh Tax (on Certain Goods Carried by Road) Act, 1999, tax is levied even on the carriage of goods by means of animal, human agency or any other means. As a step towards rationalization, it has been decided to exclude from the purview of taxation under the Act such carriage of goods as is made by means of animals, human agency or any such other means, and to restrict the levy only on the carriage of goods by mechanical vehicles or carts. Under section 4 of the Act, tax is payable by every person incharge of the mechanical vehicle, cart or animal in or on which the goods are carried or the person-in-charge of the goods, into the Government Treasury or State Bank of India or to the Taxing Authority of the district through which the goods are carried. With a view to rationalize mode of collection of tax, it has also been decided that atleast in respect of those goods which originate from single and conveniently identifiable big source, the collection of tax should be made from the person-in-charge of the mechanical vehicle or cart or the person-in-charge of the goods, by managements of such originating sources, who shall deposit the tax, so collected, into the Government Treasury and issue necessary receipts in token thereof. Further, it has also been decided to simplify the penalty procedure and to provide for recovery of outstanding tax and penalty as arrears of land revenue. This has necessitated amendments in the Act *ibid*.

2. This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

PRAVEEN SHARMA.

Minister-in-charge.

SHIMLA :

THE.....2001.

FINANCIAL MEMORANDUM

The proposed Bill seeks to exclude from the purview of the levy of tax such carriage of goods by road as is done by means of animals, human agency or any such other means. This exclusion will result in minor loss to the State exchequer, which cannot be quantified.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

Clause 5 of the Bill empowers the Government to make rules for collection and deposit into the Government Treasury of tax by the person selling or causing or authorising to cause the dispatch of goods by road and to provide for the manner of issue of a certificate of collection to the person from whom such collection has been made. These delegations are essential and normal in character.

**RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207
OF THE CONSTITUTION OF INDIA**

[File No. EXN-F (21) 4/2001. Excise and Taxation Department]

The Governor, Himachal Pradesh, after having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Amendment Bill, 2001, recommends, under article 207 of the Constitution of India, the introduction in and consideration by the Legislative Assembly of the said Bill.